

वाटरप्रूफ वि. (अं.) 1. ऐसी वस्तु या वस्त्र, जिस पर पानी का प्रभाव न हो और पानी रिस न सके 2. जलसिद्ध।

वाटरमार्क पुं. (अं.) 1. जलाशय या नदी में जलस्तर को बताने वाला चिह्न 2. रुपयों के नोट या कागज पर बना हल्का निशान जो उसके असली होने का प्रमाण होता है।

वाटिका स्त्री. (तत्.) छोटी बगिया, बगीची।

वाटी स्त्री. (तत्.) उपवन, बगीचा (संस्कृत में वाटी शब्द उस भूखंड के लिए प्रयुक्त होता है, जिस पर भवन बना हो)।

वाटुला वि. (तत्.) (संस्कृत का वर्तुल) गोलाकार वर्तुलाकार, अथवा वृत्ताकार।

वाडव पुं. (तत्.) समुद्र में विद्यमान, आग, वाडवाग्नि।

वाडवाग्नि/वाडवानल पुं. (तत्.) समुद्र में विद्यमान आग, जो ज्वार-भाटा का कारण होता है।

वाण पुं. (तत्.) तीर, शर, इषु।

वाणावलि/वाणावली स्त्री. (तत्.) वाणों का समूह या समुदाय।

वाणिज्य पुं. (तत्.) व्यवसाय, व्यापार वाणि. उत्पादक से उपभोक्ता तक वस्तु, पदार्थ तथा अन्य सामग्रियों को पहुँचाने/उपलब्ध कराने की प्रक्रिया।

वाणिज्यदूत पुं. (तत्.) वाणिज्य संबंधी कार्यों का राजकीय प्रतिनिधि जो किसी दूसरे देश में नियुक्त किया जाय।

वाणिनी स्त्री. (तत्.) 1. मदमत्त महिला 2. नर्तकी 3. एक समवर्णिक छंद का नाम।

वाणी स्त्री. (तत्.) 1. मुख से निकली ध्वनि, स्वर, शब्द, आवाज 2. उच्चारण शक्ति, भाषणशक्ति 3. सरस्वती, वाक्।

वात पुं. (तत्.) 1. हवा, वायु 2. वायु देवता, पवन। आयु. शरीर के तीन दोषों (त्रिदोष) कफ, पित्त वात में से एक दोष (वायु)।

वातकीर्ण वि. (तत्.) हवा से फैला हुआ या बिखरा हुआ वन. हवा से बिखराया हुआ बीज।

वातगुल्म पुं. (तत्.) हवा का गुल्म या अंधड़, आँधी।

वातघ्न पुं. (तत्.) वायु या वायुरोग को नष्ट करने वाला।

वातघ्नी स्त्री. (तत्.) वातरोग को नष्ट करने वाली ओषधि (जड़ी), (अश्वगंधा की जड़ वातरोग का नाशक है)।

वातचक्र पुं. (तत्.) हवा का बवंडर, चक्रवात।

वातज वि. (तत्.) वात से उत्पन्न होने वाला रोग आयु. वायुप्रकोप से उत्पन्न रोग गठिया आदि।

वातजात पुं. (तत्.) हवा से, वायु से उत्पन्न, वायुपुत्र (हनुमान)।

वातज्वर पुं. (तत्.) वायु के प्रकोप से होने वाला ज्वर या बुखार।

वातध्वज पुं. (तत्.) 1. जिसकी ध्वजा हवा की हो 2. बादल, मेघ।

वातपुत्र पुं. (तत्.) वायुपुत्र हनुमान।

वातप्रकृति वि. (तत्.) आयु. जिसकी प्रकृति में (स्वभाव में) कफ, पित्त की अपेक्षा वायु की प्रधानता हो, वह वस्तु जिसके सेवन से शरीर में वायु की अधिकता हो।

वातप्रकोप पुं. (तत्.) शरीर में वायुवृद्धि के कारण रोग का हो जाना।

वातप्लवक पुं. (तत्.) वायु में होने वाले सूक्ष्म जीव, वायु में तैरने वाले अत्यंत सूक्ष्म जीव।

वातरंध्र पुं. (तत्.) वृक्षों की छाल में रंध्र (छिद्र) जिससे वायु का आवागमन होता है।

वातरोग/वातविकार पुं. (तत्.) वात कुपित होने के कारण उत्पन्न रोग।

वातल वि. (तत्.) वातवर्धक, वायु के कुपित होने से होने वाला रोग।

वातव्याधि पुं. (तत्.) वायु से उत्पन्न रोग।